JSUNIL TUTORIAL
Chase Excellence

अनुक्रमांक : 7119091

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, पटना संभाग

संकलित मूल्यांकन-2, 2015-16

943

कक्षा - दसवीं

क्रम सं० : .....

हिन्दी

समय - 3 घंटे] **[पूर्णांक - 90**

खण्ड – क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए – 5

सभ्यता के आदिकाल में ही मनुष्य ने पेड़–पौधों के महत्त्व को जान लिया था, उनके अस्तित्व की आवश्यकता को पहचान लिया था और यह भी जान लिया था कि पेड़–पौधे केवल नेत्रों को सुख प्रदान करने के लिए ही नहीं, अपितु प्राणी जगत के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। इसलिए ऋषि–मुनियों ने वृक्षोपासना के लिए मंत्र एवं पूजा आदि का विधान बनाया। आज भी भारत के अनेक प्रांतों में विशेष त्योहारों पर वृक्षों की पूजा की जाती हैं। प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने में वृक्षों का अत्यधिक महत्त्व है। प्रदूषण को कम करने के लिए यह एक अच्छा उपाय है कि अधिक–से–अधिक वृक्ष लगाए जाएँ और वायुमंडल को शुद्ध बनाया जाए। बच्चों को चाहिए कि वे वृक्षों के महत्त्व को जानकर अधिक–से–अधिक वृक्ष लगाएँ। किसी भी शुभ अवसर पर, जैसे–होली, दीवाली, तीज, क्रिसमस आदि त्योहारों पर एक वृक्ष अवश्य लगाएँ तथा प्रदूषण कम करने में सहायक बनें।

(i) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक चुनिए –

(क) वृक्षों का महत्त्व

(ख) वृक्षोपासना

(ग) पर्यावरण

(घ) प्रदूषण

[Turn Over

Download from: http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL
Chase Excellence

(ii) वृक्षोपासना पर बल क्यों दिया गया है ?

(क) वृक्षों में देवता वास करते हैं

(ख) वृक्ष जीवनोपयोगी हैं

(ग) पूजा करना हमारी संस्कृति है

(घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द वृक्ष का पर्यायवाची नहीं है ?

(क) पेड़

(ख) विटप

(ग) तरू

(घ) ओप

(iv) वृक्षों को उपयोग की दृष्टि से देखने पर कौन–सा कथन असत्य है ?

(क) वृक्षों पूज्य हैं

(ख) वृक्ष प्रदूषण कम करते हैं

(ग) वृक्ष प्राकृतिक संतुलन बनाते हैं

(घ) इनमें से कोई नहीं ।

(v) पर्यावरण को शुद्ध व संतुलित बनाने के लिए क्या करना चाहिए ?

(क) प्रदूषण कम करना चाहिए

(ख) वृक्षों की पूजा करनी चाहिए

(ग) अधिकाधिक वृक्ष लगाने चाहिए

(घ) त्योहार मनाने चाहिए।

JSUNIL TUTORIAL

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए – 5

JSUNIL TUTORIAL Chase Excellence

व्यक्ति के जीवन में संतोष का बहुत महत्त्व है। संतोषी व्यक्ति सुखी रहता है। असंतोष सब व्याधियों की जड़ है। महात्मा कबीर ने कहा है कि धन–दौलत से कभी संतोष नहीं मिलता। संतोष रूपी धन मिलने पर समस्त वैभव धूल के समान प्रतीत होता है। व्यक्ति जितना अधिक धन पाता जाता है उतना ही असंतोष उपजता जाता है। यह असंतोष मानसिक तनाव उत्पन्न करता है जो अनेक रोगों की जड़ है। धन व्यक्ति को उलझनों में फँसाता जाता है। साधु को संतोषी बताया गया है क्योंकि भोजन मात्र की प्राप्ति से उसे संतोष मिल जाता है। हमें भी साधु जैसा होना चाहिए। हमें अपनी इच्छाओं को सीमित रखना चाहिए। जब इच्छाएँ हम पर हावी हो जाती हैं तो हमारा मन सदा असंतुष्ट रहता है। सांसारिक वस्तुएँ हमें कभी संतोष नहीं दे सकतीं। संतोश का संबंध मन से है। संतोष सबसे बड़ा धन है। इसके सम्मुख सोना–चाँदी, रुपया–पेसा व्यर्थ है।

(i) संतोष रूपी धन मिलने से क्या होता है ?

(क) असंतोष उपजता है।

(ख) मन में संतुष्टि आ जाती है।

(ग) वैभव धूल के समान लगते हैं।

(घ) धन की लालसा बढ़ जाती है।

(ii) 'संतोष' का विलोमार्थी शब्द है–

(क) संतोषी

(ख) असंतोष

(ग) संतुष्ट

(घ) व्याधि

(iii) 'संतोष' का संबंध किससे है ?

[Turn Over

Download from: http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL
Chase Excellence

(क) मन से

(ख) धन से

(ग) वस्तुओं से

(घ) तनाव से

(iv) जब इच्छाएँ हम पर हावी हो जाती हैं तब क्या होती है ?

(क) मन संसार में रम जाता है

(ख) मन सदा असंतुष्ट रहता है

(ग) मन में खुशी होती है

(घ) मन में गम होता है।

(v) इस गद्यांश का शीर्षक क्या है ?

(क) जीवन

(ख) असंतोष

(ग) संसार

(घ) संतोष का महत्त्व

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए – 5

मैं जग–जीवन का भार लिए फिरता हूँ,
फिर भी जीवन में प्यार लिए फिरता हूँ,
कर दिया किसी ने झंकृत जिनको छूकर
मैं साँसों के दो तार लिए फिरता हूँ।

JSUNIL TUTORIAL

JSUNIL TUTORIAL
Chase Excellence

मैं स्नेह–सुरा का पान किया करता हूँ,

मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ,

जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते,

मैं अपने मन का गान किया करता हूँ।

मैं निज उर के उद्‌गार लिए फिरता हूँ,

मैं निज उर के उपहार लिए फिरता हूँ,

है यह अपूर्ण संसार न मुझको भाता

मैं स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ।

मैं जला हृदय में अग्नि, दहा करता हूँ,

सुख–दुःख दोनों में मग्न रहा करता हूँ,

जग भव–सागर तरने को नाव बनाए,

मैं भव मौजों पर मस्त बहा करता हूँ।

(i) कवि क्या लिए फिरता है ?

(क) जग के जीवन का भार

(ख) समाज सेवा का भार

(ग) स्नेह का भार

(घ) अपने जीवन का भार

Download from: http://jsuniltutorial.weebly.com/

(ii) कवि किसका गान किया करता है ?

(क) अपने मन का

(ख) ईश्वर का

(ग) जग का

(घ) लोगों का

(iii) 'स्नेह–सुरा' में किस अलंकार का प्रयोग है ?

(क) अनुप्रास

(ख) अनुप्रास एवं रूपक

(ग) उपमा

(घ) रूपक

(iv) 'भव–सागर' में किस अलंकार का प्रयोग है ?

(क) अनुप्रास

(ख) यमक

(ग) उपमा

(घ) रूपक

(v) कवि किसमें मग्न रहा करता है ?

(क) सुख–दुःख

(ख) सुख

(ग) दुःख

(घ) उपर्युक्त में कोई नहीं ।

Download from: http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL Chase Excellence

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए – 5

मैं बढ़ा ही जा रहा हूँ, पर तुम्हें भूला नहीं हूँ
चल रहा हूँ, क्योंकि चलने से थकावट दूर होती,
चाहता तो था कि रूक लूँ पार्श्व में क्षण–भर तुम्हारे
किंतु अगणित स्वर बुलाते हैं मुझे बाँहें पसारे,
अनसुनी करना उन्हें भारी प्रवंचन का पुरूषता,
मुँह दिखाने योग्य रखेगी न मुझको स्वार्थपरता।
इसलिए ही आज युग की देहली को लाँघकर मैं–
पथ नया अपना रहा हूँ –
पर तुम्हें भूला नहीं हूँ।
आज शोषक–शोषितों में हो गया जग का विभाजन
अस्थियों की नींव पर अकड़ खड़ा प्रासाद का तन।

(i) कवि क्या चाहता था ?

(क) बाँहें पसारना

(ख) आगे बढ़ना

(ग) प्रिया के पार्श्व में रूकना

(घ) वहीं रूक जाना

[Turn Over

Download from: http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL Chase Excellence

(ii) कवि क्यों चल रहा है ?

(क) चलने से थकावट दूर होती है।

(ख) वह आगे बढ़ना चाहता है।

(ग) वह प्रिया को भूलना चाहता है।

(घ) वह पथ भूल जाना चाहता है।

(iii) कवि कौन–सा पथ अपना रहा है ?

(क) नया

(ख) पुराना

(ग) सीधा

(घ) तीनों

(iv) 'शोषक' कौन है ?

(क) मजदूर

(ख) काम करने वाले

(ग) पूँजीपति

(घ) बेकार बैठे लोग़

(v) जग का विभाजन किस–किस में हो गया है ?

(क) धनिकों में

(ख) शोषक–शोषितों में

(ग) किसान–मजदूरों में

(घ) ग़रीबों में

JSUNIL TUTORIAL

JSUNIL TUTORIAL Chase Excellence

खंड –ख

5. (क) रचना की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए – 2

उसने कहा कि मैं बाजार अवश्य जाऊँगा,

मजदूर मेहनत करता है लेकिन उसका लाभ उसे नहीं मिलता

(ख) सरल वाक्य बनाइए – 1

गरीब मेहनत करते हैं परन्तु उन्हें भरपेट रोटी नहीं मिलती।

6. (क) निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए – 4

(i) वह कभी भी कटु वचन नहीं बोलता (कर्मवाच्य में)

(ii) तुम्हारे द्वारा हिन्दी के विकास के लिए क्या किया जा रहा है ? (कर्तृवाच्य में)

(ख) वाच्य बताइए –

(i) चुनावों की घोषणा हुई।

(ii) गीता से चला नहीं जाता।

7. रंखांकित अंशों का पद–परिचय कीजिए – 4

(i) योग्य पिता की संतान भी योग्य होती है –

(i) घंटी बजी है कोई आया है।

8. (i) दुर्योधन को देखते ही भीम ने गदा उठा ली–इसमें अनुभाव क्या है ? 4

(क) दुर्योधन (ख) भीम

(ग) गदा (घ) भीम का गदा उठाना।

(ii) जिसके मन में भावों का जागरण (उदय) होता है, उसे कहते हैं –

(क) आश्रय (ख) आलंबन

(ग) अनुभाव (घ) विषय

[Turn Over

Download from: http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL Chase Excellence

(iii) निम्नलिखित में से स्थाई भाव चुनिए –

(क) हास्य (ख) रौद्र

(ग) शान्त (घ) हास

(iv) निम्नलिखित अंशों में कौन सा रस व्यक्त हुआ है ?

निसि दिन बरसत नैन हमारे।
सदा रहति पावस ऋतु हमपे, जबते श्याम सिधारे।

खण्ड–ग

9. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए उत्तर लिखिए–

'शिक्षा' बहुत व्यापक शब्द है। उसमें सीखने योग्य अनेक विषयों का समावेश हो सकता है। पढ़ना–लिखना भी उसी के अंतर्गत है। इस देश की वर्तमान शिक्षा–प्रणाली अच्छी नहीं। इस कारण यदि कोई स्त्रियों को पढ़ाना अनर्थकारी समझे तो उसे उस प्रणाली का संशोधन करना या कराना चाहिए खुद पढ़ने–लिखने को दोष न देना चाहिए। लड़कों ही की शिक्षा–प्रणाली कौन–सी बड़ी अच्छी है। प्रणाली बुरी होने के कारण क्या किसी ने यह राय दी है कि सारे स्कूल और कॉलिज बंद कर दिए जाएँ ? आप खुशी से लड़कियों और स्त्रियों की शिक्षा की प्रणाली का संशोधन कीजिए। उन्हें क्या पढ़ाना चाहिए, कितना पढ़ाना चाहिए, किस तरह की शिक्षा देना चाहिए और कहाँ पर देना चाहिए–घर में या स्कूल में–इन सब बातों पर बहस कीजिए, विचार कीजिए, जी में आवे सो कीजिए, पर परमेश्वर के लिए यह न कहिए कि स्वयं पढ़ने–लिखने में कोई दोष है–वह अनर्थकर है, वह अभिमान का उत्पादक है, वह गृह–सुख का नाश करने वाला है। ऐसा कहना सोलहों आने मिथ्या है।

(क) शिक्षा की व्यापकता से क्या आशय है ? 2

(ख) किस बात को झूठ कहा गया है ? 1

(ग) पढ़ाई–लिखाई में संशोधन किसलिए आवश्यक माना गया है ? 2

Download from: http://jsuniltutorial.weebly.com/

'अथवा'

अपने ऊहापोहों बचने के लिए हम स्वयं किसी शरण, किसी गुफा को खोजते हैं जहाँ अपनी दुश्चिंताओं, दुर्बलताओं को छोड़ सकें और वहाँ से फिर अपने लिए एक नया तिलिस्म गढ़ सकें। हिरन अपनी ही महक से परेशान पूरे जंगल में उस वरदान को खोजता है जिसकी गमक उसी में समाई है। अस्सी बरस से बिस्मिल्ला खाँ यही सोचते आए हैं कि सातों सुरों को बरतने की तमीज़ उन्हे सलीके से अभी तक क्यों नहीं आई।

(क) ऊहापोहों से क्या आशय है ? उससे बचने के लिए हम क्या करते हैं ? 2

(ख) दुश्चिंता और दुर्बलता से क्या आशय है ? 1

(ग) मानव अपने लिए एक गुफा क्यों खोजता है ? वह गुफा किस रूप में हमार सामने आती है ? 2

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए – 2×5=10

(क) फादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी क्यों लगती थी ?

(ख) वास्तविक अर्थों में संस्कृत व्यक्ति किसे कहा जा सकता है ? संस्कृति पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(ग) वह कौन सी घटना थी जिसके बारे में सुनने पर लेखिका को न अपनी आँखों पर विश्वास हो पाया और न अपने कानों पर ?

(घ) "स्त्रियों को पढ़ाने से अनर्थ होते है" – कुतर्कवादियों की इस दलील का खंडन द्विवेदी जी ने कैसे किया है ?

(ड.) बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगल ध्वनि का नायक क्यों कहा गया हैं ?

Download from: http://jsuniltutorial.weebly.com/ Page : 011

JSUNIL TUTORIAL Chase Excellence / Hindi

11. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए –

लखन कहेउ मुनि सुजसु तुम्हारा। तुम्हहि अछत को बरनै परा।।
अपने मुँह तुम्ह आपनि करनी। बार अनेक भाँति बहु बरनी।।
नहि संतोषु त पुनि कछु कहहू। जनि रिस रोकि दुसह दुख सहहू।।
बीरब्रती तुम्ह धीर अछोभा। गारी देत न पावहु सोभा।।
सूर समर करनी करहिं कहि न जनावहिं आपु।
विद्यमान रन पाई रिपु कायर कथहिं प्रतापु।।

(क) परशुराम की क्रोधपूर्ण बातों का लक्ष्मण ने क्या उत्तर दिया ? 2

(ख) शूरवीर और कायर के बारे में क्या टिप्पणी की गई है ? 1

(ग) प्रस्तुत पंक्तियों में कौन किसे संबोधित कर रहा है ? 2

'अथवा'

छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।
जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी
छवियों की चित्र–गंध फैली मनभावनी;
तन–सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,
कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।
भूली–सी एक छुअन बनता हर जीवित क्षण–छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।

ISUNIL TUTORIAL

JSUNIL TUTORIAL
Chase Excellence

(क) 'छवियों की चित्र–गंध फैली मनभावनी' का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) चाँदनी को देखकर कवि को किसकी याद आती है और क्यों ? 2

(ग) 'भूली–सी एक छुअन' किस प्रकार 'जीवित क्षण' बन जाती है ? 1

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए – 2×5=10

(क) कन्यादान कविता में माँ ने बेटी को क्या सीख दी ?

(ख) परशुराम के क्रोध करने पर लक्षमण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन–कौन से तर्क दिए ?

(ग) 'संग्राकार' के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों पर संकेत करना चाह रहा है ?

(घ) छाया शब्द कविता में किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है ? कवि ने उसे छूने के लिए मना क्यों किया है ?

(ङ) छाया मत छूना कविता में दुख के कारणों को स्पष्ट कीजिए ।

13. लेखक के अनुसार प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति उनके लेखन में कहीं अधिक मदद करती है क्यों ? मैं क्यों लिखता हूँ–के आधार पर उत्तर दीजिए । 5

अथवा

"कितना कम लेकर ये समाज को कितना अधिक लौटा देती है।" साना–साना हाथ जोड़ि के इस कथन के आधार पर स्पष्ट करें कि आम जनता की देश की आर्थिक प्रगति में क्या भूमिका है ?

खंड–घ

14. निम्नलिखित विचार–विन्दुओं के आधार पर 200–250 शब्दों में एक निबंध लिखिए – 10

"भारतीय नारी की चुनौतियाँ"

विचार बिन्दु–पुरूष प्रधान समाज में नारी का स्थान–

घर परिवार के साथ–साथ सामाजिक जीवन में प्रवेश

– विविध क्षेत्रों में नारी का योगदान–

दोहरी भूमिका में कार्य का भार।

[Turn Over

Download from: http://jsuniltutorial.weebly.com/

'अथवा'

"विपति कसौटी जो कसे सोई साँचे मीत"

विचार बिन्दु – जीवन की समरसता के लिए मित्र की आवश्यकता

जीवन संग्राम में मित्र महत्वपूर्ण – सच्चे मित्र की परख – सच्चा मित्र मिलना सौभाग्य।

15. सार्वजनिक पार्कों की समुचित सफाई न होने पर सफाई कर्मचारियों की शिकायत करते हुए नगर–निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को एक पत्र लिखिए । 5

'अथवा'

परीक्षा में कम अंक प्राप्त करने पर अपने असंतुष्ट और दुखी मित्र को एक सांत्वना भरा पत्र लिखिए.

16. निम्नलिखित गद्यांश का सार एक तिहाई शब्दों में लिखिए तथा एक उचित शीर्षक दीजिए – 5

नेफा क्षेत्र भारत के उत्तरी–पूर्वी छोर पर हिमालय की तलहटी में सघन वनों, पर्वतीय झीलों और दुर्गम नालों से घिरा है। यहाँ पहुँचना वर्षों तक असम्भव रहा।

नदियों के क्षण–क्षण परिवर्तित प्रवाहों ने उस क्षेत्र में यातायात और संचार व्यवस्था को एक समस्या का रूप दे दिया।

नागा छोटे–छोटे परिवार बनाकर रहते हैं और इनकी सामाजिक संस्थाएँ बड़ी शक्तिशाली होती हैं। इन्हीं के हाथ में समाज का शासन–सूत्र रहता है। इन आदिवासियों में प्रायः आपसी झगड़े हुआ करते हैं। यही कारण है कि एक ग्राम का वासी दूसरे ग्राम वालों के साथ स्नेहपूर्ण व्यवहार नहीं करता।

नागाओं को अपनी संस्कृति से विशेष प्रेम है। कोई भी सांस्कृतिक कार्यक्रम बिना नृत्य संगीत के अपूर्ण माना जाता है। वे कई प्रकार के नृत्य जानते हैं और मनोहर गीतों का तो मानों उनके पास भंडार है। स्त्री पुरूष मिलकर सामूहिक नृत्य भी करते हैं और पृथक–पृथक भी इनके वाद्ययंत्र भी अनोखे होते हैं। बाँसुरी उनका प्रिय वाद्ययंत्र है।

●●●●●